

CODE : A-H616111-A

I SEMESTER EXAMINATION – 2025 - 26

6 X 160

Std : XI

Sub : HINDI

Marks : 50

Date :

Roll No. _____

Time : 2½hrs

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ !

- १) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है !
- २) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए !
- ३) सभी आकृतियों में उत्तर पेन से लिखना आवश्यक है !
- ४) व्याकरण विभाग में पूछी गयी कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है !

(विभाग -१: गद्य)**प्र.१ (अ). निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।****ध्वनि प्रभाव (बैलगाड़ी-बैलों की घंटियाँ)**

- अलोपीदीन :** बाबूजी कहिए। हम से ऐसा कौन-सा अपराध हुआ जो गाड़ियाँ रोक दी।
- वंशीधर :** ये सरकारी हुकुम है। गाड़ियाँ नहीं जाएँगी।
- अलोपीदीन :** (हँसकर) हमारे सरकार तो आप है, यह तो घर की बात है भला। हम कभी आपसे बाहर हो सकते है। ऐसा कैसे संभव है कि हम इस घाट से गुजरे और देवता को कुछ न चढ़ाएँ। आपने व्यर्थ कष्ट किया, मैं तो खुद ही आपके पास आ रहा था आपके लिए चढ़ावा लेकर।
- वंशीधर :** हम उनमें से नहीं जो कौड़ियों पर अपना ईमान बेच दें, आप मेरी हिरासत में है। आपका चालान होगा।
- अलोपीदीन :** (गिड़गिड़ाकर) बाबू साहब, ऐसा मत कहिए, हम मिट जाएँगे। इज्जत माटी में मिल जाएगी, हमारा अपमान करके आपको क्या मिल जाएगा? मान जाइए।
- वंशीधर :** (कठोर स्वर) मैं ऐसी कोई बात सुनना नहीं चाहता।
- अलोपीदीन :** (करुण स्वर) मुख्तार जी, १००० के नोट बाबू साहब को भेंट करो।
- वंशीधर :** (कड़ककर) सेठ अलोपीदीन, एक हजार नहीं, एक लाख भी मुझे सच्चे मार्ग से नहीं हटा सकते।
- अलोपीदीन :** आपकी मर्जी, इससे ज्यादा का मेरा सामर्थ्य नहीं।
- वंशीधर :** बदलूसिंह। तुम देखते क्या हो, हिरासत में लो।
- अलोपीदीन :** बाबू साहब, ईश्वर के लिए मुझ पर दया कीजिए, मैं पच्चीस हजार पर निपटारा करने के लिए तैयार हूँ।
- वंशीधर :** मैंने कहा न, असंभव बात है।
- अलोपीदीन :** तीस हजार।
- वंशीधर :** नहीं, नामुमकिन है।
- अलोपीदीन :** क्या कहा हुजूर, चालीस पर भी नहीं।
- वंशीधर :** चालीस हजार नहीं, चालीस लाख पर भी नहीं, बदलूसिंह, इस आदमी को अभी हिरासत लो। मैं एक शब्द भी सुनना नहीं चाहता। यह समझता क्या है मुझे।

१) आकृति पूर्ण कीजिए।**(02)**

- i) हम उनमें से नहीं, जो कौड़ियों पर अपना यह बेंच दे -
- ii) मुख्तार जी, १००० के नोट इन्हें भेंट करो -

२) अ) निम्नलिखित शब्दों समानार्थी शब्द लिखिए।**(01)**

- i) मौत - _____
- ii) कृषक - _____

आ) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए।**(01)**

- i) जागृति - _____
- ii) व्यक्तित्व - _____

३) स्वमत लिखिए :**(02)**

‘ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा सफलता के सोपान है’, विषय पर ३० से ४० शब्दों में अपना मत व्यक्त कीजिए।

P.T.O

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

"स्कूल नहीं जाता तू? अजीब है तेरे माँ-बाप जो तुझसे काम कराते हैं।" घर की मालकिन ने तराजू के काटे पर नजर जमाए कहा। तभी उनकी कॉलेज के लिए तैयार होती लड़की ने कहा "माँ, बाल मजदूरी तो अपराध है न?" "हाँ बिल्कुल, पर अनपढ़ माँ-बाप समझें तब न", बबलू को बुरा लगा। उससे अपशब्द सहे नहीं गए।

"स्कूल बप्पा ने भेजा था मेमसाब पर उनके पास किताबों के लिए पैसे न थे इसलिए पढ़ाई रुक गई।"

"माँ, इससे इन किताबों के पैसे मत लो। इसके काम आएँगी। वह इनसे अपनी पढ़ाई कर लेगा।"

कुछ नहीं होता इससे, हम फ्री में देंगे और यह रद्दी पेपर के मालिक से किताबों के पैसे ले चाट पकौड़ी में उड़ा देगा। इनके बस का नहीं है पढ़ना।"

बबलू ने रद्दी के पैसे चुकाए और बोरा उठा सीधा घर पहुँचा। उसने बोरे में से किताबें निकालकर अलग रख दी। फिर बोरा लेकर यह रद्दी पेपर के दुकानदार के पास पहुँचा। दुकानदार ने रद्दी तौल किनारे रखी।

"पैसे तो बचे होंगे तेरे पास। जा, सामने के ठेले से बड़ा पाव और चाय ले आ फिर हिसाब कर।" बबलू सिर झुकाए खड़ा रहा। दुकानदार बार-बार बोलता रहा पर बबलू टस से मस न हुआ। अब दुकानदार से रहा नहीं गया। यह झल्ला उठा।

"अरे क्या हुआ ? जाता क्यों नहीं ?"

"रूपये खर्च हो गए सेठ।"

"क्या ! तेरे पैसे थे जो खर्च कर दिए।" दुकानदार ने उसको बुरी तरह से डाँट दिया। डाँट खाने के बावजूद यह मुस्कुरा रहा था। अब वह स्कूल जा सकेगा। उसके पास भी किताबें हैं। वह घर की ओर लौट पड़ा।

घर लौटते हुए रास्ते में वही सुबहवाली मालकिन और उनकी लड़की मिल गई। उसके हाथ में किताबें देख मालकिन के आश्चर्य का ठिकाना न रहा। उसे सुबह कहे हुए अपने ही अपशब्द याद आ गए और अपने ही शब्दों पर अपराध बोध हो आया। बबलू की पढ़ाई के प्रति लालसा को देखकर उसने निश्चय किया कि अब उसकी आगे की पढ़ाई का खर्चा वहीं उठाएगी। बबलू की खुशी का ठिकाना न था।

१) निम्नलिखित संवादों को उचित घटनाक्रम में लिखिए।

(02)

१) "रूपए खर्च हो गए मालिक।"

२) "स्कूल नहीं जाता तू? अजीब है.....!"

३) "अरे क्या हुआ ! जाता क्यों नहीं ?"

४) "माँ, बाल मजदूरी अपराध है न ?"

२) विधानों के सामने सत्य / असत्य लिखिए।

(02)

१) बबलू ने रद्दी के पैसे लिए और बोरा छोड़ सीधा घर पहुँचा।

२) डाँट खाने के बावजूद बबलू हँस रहा था।

३) स्वमत लिखिए :

(02)

'शिक्षा से वंचित बालकों की समस्याएँ' विषय पर ३० से ४० शब्दों में अपना मत लिखिए।

(इ) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (किन्ही दो)

(02)

१) राजेंद्र सहगल जी की साहित्यिक कृतियाँ लिखिए।

२) डॉ. सुनील केशव देवधर की लिखित रचनाएँ लिखिए।

३) दो व्यंग्य रचनकारों के नाम लिखिए।

(विभाग- २: पद्य)

प्र. २ (अ). निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

कर्ज लेकर उमर के लम्हों से
बो दिए मैंने बीज हसरत के
पास थी कुछ जमीं खयालों की।

अपनी आँखों में जब भी देखा है
एक बच्चा-सा खुद को पाया है
कौन कहता है उम्र बढ़ती है?

चाहे कितना भी हो घनघोर अंधेरा छाया
आस रखना कि किसी रोज उजाला होगा
रात की कोख ही से सुबह जनम लेती है।

ये न सोचो कि जरा दूर दिखाई देगा
एक ही दीप से आगाज-ए-सफर कर लेना
रोशनी होगी जहाँ पर भी कदम रखोगे।

आँसू-खुशियाँ एक ही शय हैं, नाम अलग हैं इनके
पेड़ में जैसे बीज छुपा है, बीज में पेड़ है जैसे
एक में जिसने दूजा देखा, वह ही सच्चा ज्ञानी।

१) उत्तर लिखिए ।

(02)

- १) इससे सुबह का जन्म होता है ।
- २) ये दोनों एक ही चीजें हैं ।
- ३) हसरत के बीज बोए गए वहाँ ।
- ४) वहाँ अपने आप रोशनी होगी ।

२) i) पद्यांश से बहुवचनवाले दो शब्द ढूँढ़कर लिखिए ।

(01)

- १) _____ २) _____

ii) पद्यांश में प्रयुक्त दो उर्दू शब्द खोजकर लिखिए ।

(01)

- १) _____ २) _____

३) स्वमत लिखिए :

(02)

‘नौकरी पिशा अभिभावकों के बच्चों के पालन की समस्या’ विषय पर ४० ते ५० शब्दों में प्रकाश डालिए ।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

बार बार जसुमति सुत बोधति, आउ चंद तोहिं लाल बुलावै ।
मधु मेवा पकवान मिठाई, आपुन खैहै, तोहिं खवावै ॥

हाथहिं पर तोहिं लीन्हे खेलै, नैकु नहीं धरनी बैठावै ।
जल-बासन कर लै जु उठावति, याही में तू तन धरि आवै ॥

जलपुट आनि धरनि पर राख्यौ, गहि आन्यौ वह चंद दिखावै ।
सूरदास प्रभु हैंसि मुसक्याने, बार बार दोऊ कर नावै ॥

१) संजाल पूर्ण कीजिए।

(02)



२) उत्तर लिखिए ।

१) पद्यांश में प्रयुक्त सौर मंडल के दो ग्रह - १) २) (01)

२) पुत्र के लिए पद्यांश में प्रयुक्त दो शब्द - १) २) (01)

३) स्वमत लिखिए :

(02)

चंद्रमा के प्रति बच्चों का आकर्षण विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए।

इ) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (किन्ही दो) (02)

१) सूरदास के प्रमुख ग्रंथ - , ।

२) त्रिपुरारी जी की प्रमुख कृतियाँ लिखिए।

३) तार सप्तक के दो कवियों के नाम लिखिए।

(विभाग- ३: विशेष अध्ययन)

प्र. ३ (अ). निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

दोस्त-१: चलो-चलो वॉटर पार्क चलते हैं।

दोस्त-२: मेरी भी तो सुन लो कोई! वॉटर पार्क जाकर क्यों पैसा बर्बाद करते हो? दो दिन से लगातार बारिश हो रही है, उससे पूरा शाहदरा स्विमिंग पुल बना हुआ है, वहीं चलते हैं।

दोस्त-३: हाँ, मिंटो ब्रिज का भी यही हाल है। पूरा डूबा हुआ है।

दोस्त-१: एक बात बताओ। ये ५-१० मिनट की बारिश से घुटने तक पानी भर जाता है, इसकी वजह क्या है?

दोस्त-४: वजह मैं बताता हूँ। कल जो आप मोमोज खा रहे थे, चटनी लगा लगाकर उसकी प्लेट कहाँ फेंकी थी?

दोस्त-१: वहीं रोड पर।

दोस्त-४: और आप भाई साहब, दुकान से जो सामान लेते हो, उसकी प्लास्टिक थैलियाँ, खाली डिब्बे, बोतलें कहाँ फेंकते हो?

दोस्त-२: घर के सामने नाले में।

दोस्त-१: आपने हम दोनों को तो गिनवा दिया और खुद जो चबा रहे हो इसका पाउच कहाँ फेंकते हो ? बोलो-बोलो ? आप भी वहीं करते हो न, जो सब करते हैं?

दोस्त-४ : मैं तुम लोगों से अलग थोड़े ही हूँ, मैं भी वहीं फेंक देता हूँ, रास्ते में या नाली में।

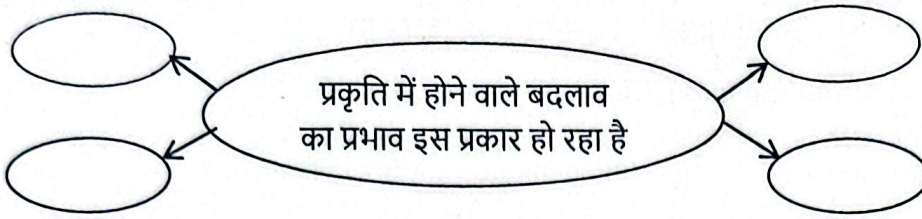
दोस्त-२: हाँ और यही थैली, डिब्बे और कचरा नालियों के रास्ते जाता है नालों में, सीवर में और ये कूड़ा-कचरा और प्लास्टिक उसकी निकासी चेक देते हैं। तभी तो थोड़ी-सी बारिश हुई नहीं कि पूरा शहर स्विमिंग पुल बन जाता है।

सूत्रधार

मौसम बदल रहा है। कभी बारिश होती है, कभी नहीं होती। प्रकृति से छेड़-छाड़ करके हमने पूरे ऋतुचक्र को उलट दिया है। बचपन में हम स्कूल में पढ़ते थे कि सर्दी के बाद गर्मी आती है, गर्मी के बाद बरसात आती है। लेकिन अब, सब कुछ बदल गया है। बसंत में बारिश हो जाती है, गर्मी में ओले पड़ जाते हैं और यह सब कुछ इसलिए हो रहा है क्योंकि हमने प्रकृति का दोहन किया है, उसे लूट लिया है, अपने स्वार्थ के लिए, पैसे के लिए, विकास के लिए। विकास से हमारी अवधारणा क्या है? इसी अवधारणा के चलते हम ऐसी चीजें करते हैं जिसका असर पड़ता है हाशिये पर खड़े आखिरी आदमी पर।

१) संजाल पूर्ण कीजिए ।

(02)



२) अ) निम्नलिखित वाक्य किसने कहे हैं, लिखिए

(01)

१) घर के सामने नाले में ।

२) हाँ, मिंटो ब्रिज का भी यही हाल है, पूरा डुबा हुआ है ।

आ) उत्तर लिखिए ।

(01)

१) ५-१० मिनट की बारिश से यहाँ तक पानी भर जाता है ।

२) थोड़ी - सी बारिश होने पर पूरा शहर यह बन जाता है ।

ब) स्वमत लिखिए :

(02)

'जल संवर्धन आज की आवश्यकता' विषय पर अपने विचार लिखिए ।

(विभाग- ४: व्यावहारिक हिंदी, पारिभाषिक शब्दावली)

प्र.४ (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

हिंदी की प्रकृति विज्ञापन के लिए बहुत लाभदायी एवं महत्वपूर्ण है। इलेक्ट्रॉनिक और मुद्रित मीडिया में हिंदी विज्ञापनों की भरमार होती है। विभिन्न विज्ञापन हमें निरंतर लुभाते रहते हैं। इतना ही नहीं, हम उनको अपने जीवन के साथ भी जोड़ लेते हैं। सड़कों पर, दुकानों के बाहर, रेलवे स्टेशनों, वाहनों, सार्वजनिक स्थानों, विविध कार्यक्रमों, खेल आयोजनों आदि तमाम अवसरों पर विज्ञापन की आवश्यकता होती है। इन विज्ञापनों के कॉपी रायटर होते हैं। आजकल प्रतिभावान हिंदी कॉपी रायटरों की बड़ी माँग है। इस क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों की तुलना में आर्थिक लाभ बहुत अधिक है। 'बुलंद भारत की, बुलंद तस्वीर', 'ये दिल माँगे मोर', 'आम के आम, गुठलियों के दाम', 'ठंडा मतलब... 'जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी' आदि कुछ ऐसे विज्ञापन हैं जिनके बनाने वालों को लाखों में भुगतान किया गया है। आपमें अगर प्रतिभा है तो आप इस क्षेत्र में अपना अच्छा करिअर बना सकते हैं और यदि आपने उस उत्पाद से संबंधित सटीक बात एक या दो लाइन में कहने का कौशल प्राप्त किया हो तो आप इस क्षेत्र में करोड़ों रुपये कमा सकते हैं।

इसके साथ ही मनोरंजन एक उद्योग के रूप में उभरकर आया है। टीवी ने असंख्य कलाकारों, संगीतकारों और गायकों के लिए जहाँ रोजगार का महाद्वार खोला है, वहीं हिंदी के रचनाकारों, संवाद लेखकों, पटकथा लेखकों, और गीतकारों के लिए वरदान के रूप में अवसर उपलब्ध कराए हैं। कई प्रसिद्ध धारावाहिकों के अनुवाद में भी रोजगार की संभावनाएँ हैं। कई चैनल्स अब बहुभाषी हो गए हैं। इन सबमें अनुवादक की आवश्यकता होती है। कार्टून फिल्मों में भी डबिंग (पार्श्व आवाज) के लिए अनेक संभावनाएँ हैं। जनसंपर्क से जुड़े ये माध्यम हिंदी में अधिक सार्थक हो रहे हैं। अधिकांश मनोरंजन के ये क्षेत्र हिंदी से ही परिपूर्ण हैं। चाहे वह टीवी जगत हो या फिल्म जगत ।

१) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

(02)

१) हिंदी की प्रकृति के लिए बहुत लाभदायी एवं महत्वपूर्ण है ।

२) विज्ञापनों के होते हैं ।

३) आपमें अगर प्रतिभा है तो आप इस क्षेत्र में अपना अच्छा बना सकते हैं ।

४) कई चैनल्स अब हो गए हैं ।

२) उत्तर लिखिए ।

(02)

१) इस मीडिया में हिंदी विज्ञापनों की भरमार है ।

२) आजकल इस प्रकार के कॉपी रायटरों की बड़ी माँग है ।

P.T.O

३) स्वमत लिखिए ।

(02)

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी रोजगार की भाषा बनती जा रही है - इस पर अपने विचार लिखिए ।

(आ) निम्नलिखित शब्दों के लिए हिंदी पारिभाषिक शब्द लिखिए । (किन्ही चार)

(04)

1) Session

2) Average

3) Director

4) Pension

5) Audit

6) Cashier

7) Management

8) Ordinance

(विभाग- ५: व्याकरण)

प्र.५ (अ) कोष्ठक की सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए । (किन्ही दो)

(02)

१) मछुआ नदी के तट पर पहुँचा । (सामान्य वर्तमानकाल में बदलिए)

२) आदमी यह देखकर डर गया । (पूर्ण वर्तमानकाल में बदलिए)

३) बबन उसे सलाम करता है । (पूर्ण भूतकाल में बदलिए)

आ). निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर सार्थक वाक्यों में प्रयोग कीजिए । (किन्ही दो)

(02)

१) आँखें फटी रहना ।

२) आसमान से तारे तोड़ना ।

३) ईंट का जवाब पत्थर से देना ।

इ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए । (किन्ही दो)

(02)

१) उसे तुम्हारे शक्ती पर विश्वास हो गया ।

२) हमारा तो सबसे प्रीति है ।

३) इसकी काम आएगा ।
